धाम दर्शन

वर्ष २] १५ अगस्त १९८१ [अंक ३

बीतक साहब और जागनी

—चमनलाल सलूजा

श्री निजानन्द सम्प्रदाय में "बीतक साहब की चर्चा" एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा प्रणामी धर्म के स्वरूप का वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है और काल माया के संसार में भटक रही ब्रह्म अंगनाओं को अपनी पहचान और अपने स्वरूप को जानने का अवसर प्राप्त होता है और इसी उद्देश्य से समय-समय पर एवं अनेक स्थानों पर इस चर्चा के आयोजन की व्यवस्था की जाती है जिसे समस्त सुन्दर साथ तो उल्लास एवं उत्साह से सुनने व समझने के लिए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहते ही हैं, अन्य श्रोतागण को भी इस चर्चा के माध्यम से इस धर्म की सही परिभाषा का बोध होता है।

उपरोक्त सन्दर्भ ही में मान्यवर आर० के० त्यागी एवं उनकी धर्मपत्नी लता बहिन जी के अनुरोध पर उनके निवास स्थान रायल होटल, लखनऊ में 'श्री बीतक साहब की चर्चा' का शुभारम्भ चर्चा प्रवीण पूज्य जगदीश चन्द्र जी आहूजा द्वारा दिनांक १२ अप्रैल ८१ को लखनऊ एवं अन्य नगरों से पधारे हुए सुन्दर साथ की उपस्थिति में हुआ। यों तो बीतक साहब की चर्चा धर्म के अनेक गुरुजनों एवं सन्त महन्तों द्वारा बहुत प्रभावशाली ढंग से की जाती है परन्तु मान्यवर जगदीश चन्द्र जी आहूजा की चर्चा का अपना विशेष ढंग है और साधारण हिन्दुस्तानी भाषा में धर्म के गूढ़ रहस्यों को जन साधारण को समझाने की उनकी शैली बहुत अधिक लोकप्रिय हो चुकी है अतः सुन्दर साथ एवं जन साधारण में

Nijanand App

उनके मुखारबिन्द से ही चर्चा सुनने की इच्छा दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जाती है।

आज के भौतिकवाद के युग में मनुष्य ने अपनी सुख सुविधा तथा आराम के लिए अनेक प्रकार के यंत्र बना लिए हैं और अपने शरीर को हर प्रकार से आराम पहुँचाने में सफल हो गया है, यहां तक कि मानव चाँद तक पहुँचने में सफल हो गया है परन्तु हर प्रकार की सुख सुविधाओं के बावजूद भी अशान्ति बढ़ती ही जा रही है। आज सारे विश्व के नेता इस बात के लिए चिन्तित हैं कि किस प्रकार संसार के प्राणियों में एक सूत्र भाईचारा तथा सुख शान्ति की भावना जागृत की जाये क्योंकि आज के इंसान के अन्दर अशान्ति का एक ऐसा ज्वालामुखी उबल रहा है परन्तु उसे सफलता प्राप्त नहीं हो रही है और न होगी जब तक कि हम श्री प्राणनाथ जी द्वारा दर्शाये गए मार्ग को नहीं अपनाते।

इस तरह के विचार श्री जगदीशचन्द्र जी आहूजा ने लखनऊ के रायल होटल में आम जनता के लिए लगाए गए खुले मंच पर श्री बीतक साहब की चर्चा के मध्य लोगों को बताए। उन्होंने वेद, पुरान, कुरान, गीता, भागवत इत्यादि ग्रन्थों के प्रमाण देकर बताया कि महाप्रभु श्री प्राणनाथ जी बुद्ध निष्कलंक अवतार, अखरुलज़मा इमाम मेंहदी हैं। आज का इन्सान झूठी मान मर्यादा, कर्मकाण्ड और शरीयत जैसी जन्जीरों में जकड़ा हुआ है इसलिए आज इंसान इंसान का बैरी बना बैठा है।

श्री आहूजा जी ने जनता से आवाहन किया कि मान मर्यादा, कर्मकाण्ड, शरीयत की इन जंजीरों को काट दो जिन्होंने मानव की आत्मा को आवागमन के चक्कर में डाल रखा है और इनसे ऊपर उठकर अपनी आत्मा को पहचानो। मानव चोला मिला है केवल भवसागर से पार उतरने के लिए अतः मूल्यवान समय को व्यर्थ मत गँवाओ। हमारा लक्ष्य एवं प्रयास होना चाहिए अपनी आत्मा को जागृत कर परमात्मा से मिलायें और यह सब तभी हो सकेगा जब हम महामति श्री प्राणनाथ जी द्वारा दिखाए गए अध्यात्मक मार्ग पर चलें और तारतम मन्त्र लेकर ही भवसागर से पार हो सकेंगे।

लखनऊ की अपनी एक प्राचीन परम्परा है, यहां पर आलह फाज़ल, विद्वान, नेतागण, समाजसेवी तथा बुद्धजीवी समाज का प्रभुत्व रहा है अतः इस बीतक साहब की चर्चा में भी ब्रह्मज्ञान के मार्ग को समझाने के लिए बुद्धजीवी नागरिक भारी

Nijanand App

संख्या में रोजाना आते रहे और चर्चा की सामग्री, विषय एवं वाणी से न केवल प्रभावित ही हुए वरन् भूरि-भूरि प्रशंसा भी की और आत्मिक ज्ञान प्राप्त कर ३७ व्यक्तियों ने श्री जगदीश जी से श्री तारतम मन्त्र लेकर अपनी निसबत को पूर्णब्रह्म परमात्मा से जोड़ा और सुन्दर साथ का रूप धारण कर हमारे सामाजिक संगठन में शक्ति का सृजन किया। प्रणामी धर्म को स्वीकार करने वालों में शिक्षित वर्ग भी शामिल है और आज के इतिहास की नवीनता यह भी रही कि हमारे एक मुसलमान भाई ने भी मर्यादाओं से ऊपर उठकर श्री निजानन्द सम्प्रदाय को ग्रहण किया और पूर्णब्रह्म परमात्मा (अल्लाह ताला) से नाता जोड़ा।

श्री त्यागी जी के परिवार एवं अन्य लखनऊ सुन्दर साथ ने जिस श्रद्धा भाव, लग्न एवं आदर से दूर-दूर से आए सुन्दर साथ का सत्कार और सम्मान किया वह अपने आप में एक मिसाल है। त्यागी दम्पति के त्याग और सेवा भाव एवं आहूजा जी की चर्चा के परिणाम स्वरूप लखनऊ नगर में जो नये सम्बन्धों की स्थापना हुई है उसके लिए समस्त सुन्दर साथ उनका आभारी है और नये साथियों का हार्दिक अभिनन्दन करता है। धाम दर्शन के प्रबन्धक के नाते धाम दर्शन परिवार की ओर से भी शत-शत प्रणाम अर्पित है।

आज गांव-गांव एवं नगर-नगर जाकर परणामी समाज में ही नहीं जन साधारण में खुले मंचों पर महामति श्री प्राणनाथ जी का सन्देश श्री जगदीश जी आहूजा द्वारा पूर्ण निष्ठा, सेवा भाव एवं पूर्ण उत्साह के साथ किया जा रहा है और श्री निजानन्द का परचम पूरी शान सम्मान के साथ चारों दिशाओं में फहर रहा है। श्रीराज जी महाराज की कृपा और श्री सतगुरु महाराज के आशीर्वाद से धर्म ज्योति का प्रकाश चहुँ दिश फैल रहा है और हम आशा करते है कि हमारे धर्म यज्ञ इसी प्रगति से जन साधारण को धर्म का सच्चा स्वरूप दर्शाने में सफलता प्राप्त करते रहेंगे।

Nijanand App